

सी.सी.आर.यू.एम.



न्यूजलेटर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका

खंड 41 • अंक 3

जुलाई-सितम्बर 2021

आयुष मंत्री ने के.यू.चि.अ.प. का दौरा किया और शोध कार्यों की सराहना की

माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, आयुष मंत्रालय और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय श्री सर्बानंद सोनोवाल ने 18 सितंबर 2021 को नई दिल्ली के जनकपुरी स्थित सेंट्रल काउंसिल्स कंबाइंड बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स (सीसीसीबीसी) में केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.) और अन्य अनुसंधान परिषदों और दो राष्ट्रीय आयोगों का दौरा किया।

इस अवसर पर श्री सोनोवाल जी आहार को पूरे देश में बढ़ावा दिया ने अपने संबोधन में कहा कि आयुष जाना चाहिए। इससे युवाओं को जंक

फूड की बीमारियों से बचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने ज़मीनी स्तर पर लोगों की भागीदारी पर ज़ोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रभावी बदलाव लाने के लिए सहयोग भावना और अनथक परिश्रम की आवश्यकता है।

बातचीत के दौरान आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि योग्यता निर्माण सभी परिषदों की प्राथमिकता होनी चाहिए और हमारी अनुसंधान परिषदों को ऐसे तौर-तरीके विकसित करने चाहिए कि इन परिषदों



माननीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल जी 18 सितंबर 2021 को के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय के दौरे के दौरान वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, श्री प्रमोद कुमार पाठक, विशेष सचिव, श्री डी. सेंथिल पांडियन, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय और प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. के साथ।

से जुड़ी विभिन्न इकाइयों को नवाचार करने की अधिक स्वतंत्रता मिले।

माननीय मंत्री ने अनुसंधान गतिविधियों

के बारे में के.यू.चि.अ.प. के महानिदेशक प्रो. आसिम अली खान और वरिष्ठ

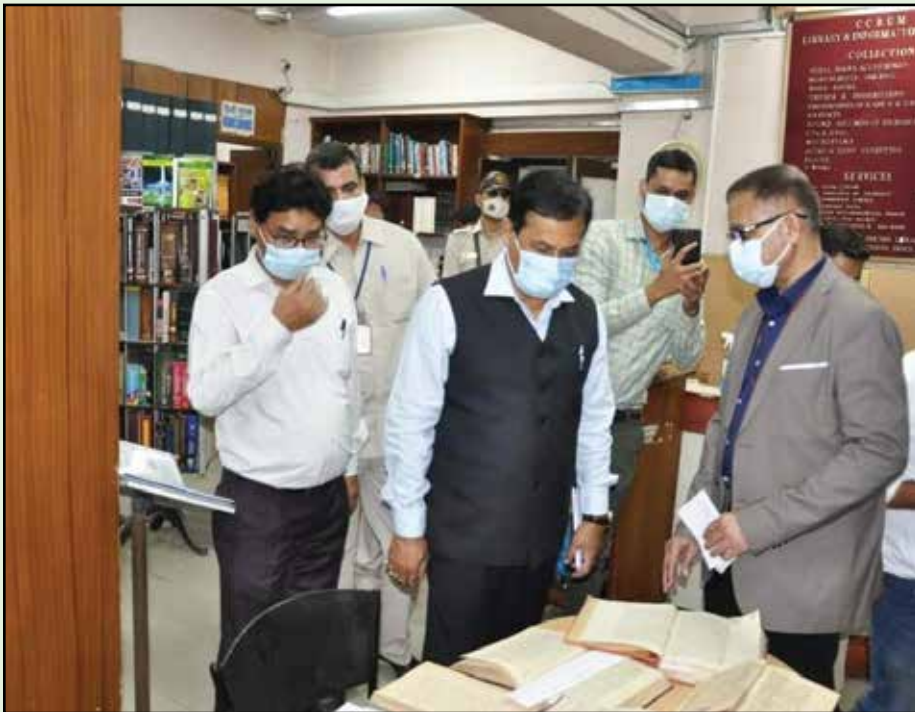
अधिकारियों के साथ बातचीत की और

इसके कामकाज और अनुसंधान प्रयासों की सराहना की। उन्होंने श्रीनगर में के.यू.चि.अ.प. के संस्थान के बुनियादी ढांचे और उपलब्ध सुविधाओं की भी सराहना की जिसका उन्होंने पिछले सप्ताह दौरा किया था। इसके अलावा उन्होंने के.यू.चि.अ.प. पुस्तकालय का दौरा किया और उन्हें लगभग 200 पांडुलिपियों और 17000 वैज्ञानिक दस्तावेजों के बड़े संग्रह के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें के.यू.चि.अ.प. की वैज्ञानिक गतिविधियों और प्रकाशनों के बारे में भी बताया गया। माननीय मंत्री ने परिषद के शोध प्रकाशनों में गहरी रुचि दिखाई। माननीय मंत्री जी ने सीसीसीबीसी के परिसर में अन्य सभी कार्यालयों के अधिकारियों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की।

इस अवसर पर श्री प्रमोद कुमार पाठक, विशेष सचिव, आयुष मंत्रालय, सुश्री कविता गर्ग, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, श्री डी. सेंथिल पांडियन, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, डॉ. एन. श्रीकांत, महानिदेशक, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद और अध्यक्ष, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, वैद्य जयंत यशवंत देवपुजारी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग, डॉ. राघवेंद्र राव, निदेशक, केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद और डॉ. मनोज नेसारी, सलाहकार (आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय व अन्य उपस्थित थे।



वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, माननीय मंत्री श्री सर्वानंद सोनोवाल जी को के.यू.चि.अ.प. के शोध प्रकाशनों के बारे में जानकारी देते हुए।



प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. माननीय मंत्री श्री सर्वानंद सोनोवाल जी को के.यू.चि.अ.प. पुस्तकालय की पांडुलिपियों के बारे में बताते हुए।

यूनानी रोगनिरोधी औषधियों का वितरण कर आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया गया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने आज़ादी का अमृत महोत्सव को चिन्हित करने के लिए आयुष मंत्रालय के अभियान के भाग के रूप में देश भर में कोविड-19 के दौरान प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए यूनानी रोगनिरोधी दवा 'खमीरा मरवारीद' और यूनानी चिकित्सा आधारित आहार और जीवन शैली दिशानिर्देश वितरित किए।

श्री सर्बानंद सोनोवाल, माननीय तथा पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, आयुष मंत्रालय मंत्रालय और डा. मुंजपरा महेन्द्रभाई



माननीय मंत्री डॉ. मुंजपारा महेन्द्रभाई कालूभाई और अन्य गणमान्य व्यक्ति अमृत महोत्सव को चिन्हित करने के लिए 2 सितंबर 2021 को आयुष रोगनिरोधी दवाओं और जीवन शैली दिशानिर्देशों के वितरण के अभियान के शुभारंभ के दौरान 'कोविड-19 महामारी के दौरान प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए यूनानी चिकित्सा-आधारित आहार और जीवन शैली दिशानिर्देश' का विमोचन करते हुए।



प्रो. मोहम्मद जाहिद अशरफ और प्रो. मोशाहिद आलम रिज़वी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली और डॉ. मोहम्मद फज़ील, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में स्थित के.यू.चि.अ.प. के साहित्यिक अनुसंधान संस्थान में अमृत महोत्सव अभियान के शुभारंभ के दौरान।

कालूभाई, माननीय राज्य मंत्री, आयुष मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2 सितम्बर 2021 को आयुष सभागार, जनकपुरी, नई दिल्ली में इस अभियान का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के विशेष सचिव श्री प्रमोद कुमार पाठक और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

भारत की आज़ादी के 75वें वर्ष पर आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए शुरू किए गए इस अभियान का लक्ष्य उद्घाटन सप्ताह 30 अगस्त से 5 सितंबर 2021 में 7.5 लाख और 15 अगस्त 2022 तक कुल 75 लाख लोगों को रोगनिरोधी आयुष दवाएं वितरित करना है।

के.यू.चि.अ.प. ने 30 अगस्त 2021 से आम जनता विशेष रूप से बुजुर्गों और कोविड-19 फ्रंटलाइन वर्करों में यूनानी रोगनिरोधी दवाएं और यूनानी चिकित्सा आधारित आहार और जीवन शैली दिशानिर्देश वितरित किए। के.यू.चि.अ.प. के संस्थानों ने देश भर में मेगा स्वास्थ्य शिविर तथा विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए और खमीरा मरवारीद और यूनानी दिशानिर्देशों और औषधीय पौधों के वितरण के लिए विशेष सत्र आयोजित किए।

नई दिल्ली, अलीगढ़, लखनऊ, प्रयागराज, मेरठ, भोपाल, बुरहानपुर, हैदराबाद, पटना, मुंबई, चेन्नई, भद्रक, कोलकाता, श्रीनगर, केरल, कुरनूल, बेंगलुरु और सिलचर स्थित के.यू.चि.अ.प. के संस्थानों ने इस अभियान में भाग लिया। इन संस्थानों ने राष्ट्रीय स्तर पर माननीय आयुष राज्य

मंत्री द्वारा उद्घाटन के साथ-साथ अपने-अपने परिसरों में इस पहल का औपचारिक उद्घाटन किया।

‘आज़ादी का अमृत महोत्सव’ प्रगतिशील भारत की आज़ादी के 75 साल और भारतीय लोगों की संस्कृति

और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास का जश्न मनाने के लिए भारत सरकार की एक पहल है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च 2021 को साबरमती आश्रम, अहमदाबाद से ‘दांडी मार्च’ को हरी झंडी दिखाकर ‘आज़ादी

का अमृत महोत्सव’ का उद्घाटन किया। यह समारोह हमारी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ से 75 सप्ताह पहले शुरू हुआ और 15 अगस्त 2022 को समाप्त होगा।



विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने अगस्त 1-7, 2021 के दौरान विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया और इस अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।



डॉ. आरिफ़ा खातून, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, लखनऊ 1-7 अगस्त 2021 के दौरान विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर स्तनपान पर व्याख्यान देती हुईं।



के.यू.चि.अ.प. ने सूचना प्रौद्योगिकी पर वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 12-28 जुलाई 2021 के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी पर चार वेबिनार का आयोजन किया।

वेबिनार श्रृंखला का उद्घाटन करते हुए प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि इस वेबिनार श्रृंखला का लक्ष्य यूनानी शोधकर्ताओं को अनुसंधान और विकास उद्देश्यों के लिए विभिन्न

सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करना है। उन्होंने कोविड-19 संकट से निपटने में सूचना प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि जब दुनिया भर में सरकारें कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन का सहारा लेने पर मजबूर

हुईं तब सूचना प्रौद्योगिकी ने विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी-आधारित प्लेटफार्मों के माध्यम से आवश्यक गतिविधियों को फिर से शुरू करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वेबिनार श्रृंखला के दौरान विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी-आधारित संचार प्लेटफार्मों जैसे कि गूगल मीट, एमएस टीम, सिस्को वेबेक्स और अनुसंधान डेटा संग्रह और विश्लेषण के लिए कुछ आवश्यक सॉफ्टवेयर की बुनियादी जानकारी पर चर्चा की गई और उनके उपयोग की प्रदर्शनी दी गई।

वेबिनार श्रृंखला का समन्वय परिषद के सूचना प्रौद्योगिकी अनुभाग तथा सांख्यिकी अनुभाग द्वारा किया गया।

आयुष मंत्री ने श्रीनगर स्थित के.यू.चि.अ.प. संस्थान का दौरा कर वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया

श्री सर्बानंद सोनोवाल, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, आयुष मंत्रालय और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 71वें जन्मदिन के अवसर पर श्रीनगर में 17 सितंबर 2021 को वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। इस अभियान के तहत कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में स्थित केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.) परिसर में 71 औषधीय पौधे लगाए गए।

श्री प्रमोद कुमार पाठक, विशेष के.यू.चि.अ.प., डॉ. मोहन सिंह, निदेशक, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, भारतीय चिकित्सा प्रणाली (आयुष), प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, जम्मू-कश्मीर, डॉ. अब्दुल कबीर डार,

महानिदेशक, स्टेशनरी एवं कार्यालय आपूर्ति, जम्मू-कश्मीर और डॉ. सीमा अकबर, सहायक निदेशक, क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर भी इस अवसर पर उपस्थित थे और सब ने वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया।

इस अवसर पर माननीय मंत्री ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में यूनानी चिकित्सा और अन्य भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की भूमिका को सराहते हुए कहा कि भारत सरकार भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के विकास को बहुत महत्व दे रही है। उन्होंने आगे कहा कि यूनानी चिकित्सा में नैदानिक अनुसंधान, औषधि मानकीकरण, औषधीय पादप सर्वेक्षण एवं कृषि और साहित्यिक अनुसंधान के क्षेत्र में के.यू.चि.अ.प. ने काफी प्रगति की है।

उन्होंने क्षे.यू.चि.अ.सं. में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की यूनानी उपचार



माननीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल 17 सितंबर 2021 को क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर के अपने दौरे के दौरान बोलते हुए जबकि श्री प्रमोद कुमार पाठक, विशेष सचिव, आयुष मंत्रालय और प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. मंच पर देखे जा सकते हैं।



माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर माननीय मंत्री श्री सर्वानंद सोनोवाल 17 सितंबर 2021 को के.यू.चि.अ.स., श्रीनगर में वृक्षारोपण अभियान के दौरान पौधे को पानी देते हुए।

सुविधाओं का दौरा किया और ओपीडी एवं आईपीडी के रोगियों से स्वास्थ्य स्थिति और स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता के बारे में बातचीत की। उन्होंने परीक्षण और अनुसंधान प्रयोगशालाओं समेत विभिन्न अनुसंधान अनुभागों का दौरा किया और उसकी सराहना की, साथ ही उन्हें और बेहतर करने पर बल दिया।

इससे पहले अपने स्वागत भाषण में प्रो. आसिम अली खान ने माननीय मंत्री जी का संस्थान में पधारने के लिए आभार व्यक्त किया और संस्थान में चल रही शोध परियोजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि संस्थान में शोध कार्यों के अतिरिक्त विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं जैसे ओपीडी, आईपीडी और चिकित्सा जांच सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया गया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अधीनस्थ केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.स.), लखनऊ ने 28 जुलाई 2021 को वायरल हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया।



डॉ. ज़ियाउल हक सिद्दीकी, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, लखनऊ 28 जुलाई 2021 को विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते हुए।

इस अवसर पर डॉ. ज़ियाउल हक सिद्दीकी, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV, के.यू.चि.अ.स., लखनऊ ने यूनानी दवाओं और टीकाकरण के माध्यम से वायरल हेपेटाइटिस की रोकथाम और नियंत्रण पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि वायरल हेपेटाइटिस जिगर की सूजन होती है जो जिगर की गंभीर बीमारी और हेपेटोसेलुलर कैंसर का कारण बनती है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वर्ष विश्व हेपेटाइटिस दिवस का विषय 'हेपेटाइटिस इतिहास नहीं कर सकता' रखा है जो कि सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में हेपेटाइटिस को खत्म करने के लिए आवश्यक प्रयासों की तात्कालिकता को व्यक्त करने के लिए निर्धारित किया गया है।

आयुष मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के सरकारी यूनानी मेडिकल कॉलेज में बीयूएमएस पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया

श्री सर्बानंद सोनोवाल, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, आयुष मंत्रालय तथा पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने 17 सितंबर 2021 को नवाब बाग, गांदरबल, जम्मू-कश्मीर में स्थित सरकारी यूनानी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी (बीयूएमएस) पाठ्यक्रम के पहले बैच का उद्घाटन किया।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने पूर्ववर्ती केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत आयुष मंत्रालय से 17.00 करोड़, केंद्र शासित प्रदेश सरकार से 18.25 करोड़ और महाविद्यालय के संचालन के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत 38.82 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से स्थापित सरकारी यूनानी मेडिकल

कॉलेज एवं अस्पताल के इस कार्यक्रम की आभासी रूप से शोभा बढ़ाई।

माननीय मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के पहले सरकारी यूनानी चिकित्सा शिक्षा संस्थान में अपने उद्घाटन भाषण के दौरान कहा कि आयुष मंत्रालय विशेष रूप से यूनानी चिकित्सा जो इस क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय है के माध्यम से केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को बुनियादी

स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। बीयूएमएस पाठ्यक्रम के उद्घाटन को ऐतिहासिक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्थान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में चिकित्सा की स्वदेशी पद्धतियों को बढ़ावा देने की दिशा में बहुत आगे जायेगा। उन्होंने आगे कहा कि पृथ्वी पर स्वर्ग-कश्मीर में उपस्थित होना हमेशा ताज़गी देता है। पृथ्वी सृजन की इस उत्कृष्ट कृति और भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के भंडार ने हमारी आयुष चिकित्सा पद्धतियों में से एक यूनानी चिकित्सा को सदियों से पोषित किया है। उन्होंने कहा कि यह वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। माननीय मंत्री जी ने आगे कहा कि यूनानी चिकित्सा की महत्वपूर्ण विशेषताएं इस की अभिगम्यता, सामर्थ्य और स्वस्थ जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण हैं।

इस अवसर पर प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.) और सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय ने कहा कि यूनानी चिकित्सा एक व्यापक चिकित्सा प्रणाली है जो स्वास्थ्य और विभिन्न बीमारी से सावधानीपूर्वक निपटती है। यह प्रोत्साहक, निवारक, उपचारात्मक और पुनर्वास स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करती है। उन्होंने आगे कहा कि के.यू.चि.अ.प. बीमारियों की रोकथाम, प्रबंधन और इलाज के लिए गुणवत्ता सुनिश्चित और लागत प्रभावी उत्पादों के लिए व्यापक शोध द्वारा यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और वैश्विक नेतृत्व के लिए



माननीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल 17 सितंबर 2021 को सरकारी यूनानी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गांदरबल, जम्मू - कश्मीर में बीयूएमएस पाठ्यक्रम का उद्घाटन करते हुए।



के लिए प्रयासरत है।

इस के बाद माननीय मंत्री जी ने 60 बीयूएमएस छात्रों की क्षमता और 60 बिस्तरों वाले अस्पताल वाले इस कॉलेज की ओपीडी, ऑपरेशन थियेटर, विभिन्न प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक भवन के सभी ब्लॉकों का दौरा किया। उन्होंने कॉलेज परिसर में औषधीय पौधा लगाकर पौधरोपण अभियान भी शुरू किया।

इस अवसर पर श्री प्रमोद कुमार पाठक, विशेष सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. मोहन सिंह, निदेशक, भारतीय चिकित्सा पद्धति (आयुष), जम्मू-कश्मीर और डॉ. सीमा अकबर, सहायक निदेशक, क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर

उपस्थित थीं।

माननीय मंत्री एक जनसंपर्क कार्यक्रम के लिए 16 सितंबर और 17 सितंबर की सुबह बारामूला जिले में थे। उन्होंने इस बीच उपायुक्त, बारामूला से जिले की चुनौतियों और अवसरों के बारे में बातचीत की। उन्होंने डाक बंगला, बारामूला में आयुष प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और 'आधुनिक कश्मीर के विकास के लिए आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ आयुष हस्तक्षेप पर संगोष्ठी' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला बारामूला को चिकित्सा की जीवंत एकीकृत आयुष पद्धति के लिए हर संभव सहायता और

जनशक्ति प्रदान की जाएगी।

माननीय मंत्री ने शौकत अली स्टेडियम, ख्वाजा बाग, बारामूला में एक क्रिकेट टूर्नामेंट का भी उद्घाटन किया और टीमों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर अपने संबोधन के दौरान उन्होंने नशे और असामाजिक गतिविधियों के खतरे को हराने के लिए टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए युवाओं की सराहना की।

माननीय मंत्री ने डाक बंगला, बारामूला में प्रखंड विकास परिषद, जिला विकास परिषद और नगर पालिका परिषद के अध्यक्षों के साथ एक संवाद सत्र भी किया और उनकी समस्याओं तथा मांगों पर विचार किया।

एनएबीएच प्रत्यायन पर 3-दिवसीय

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने अस्पतालों एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) के सहयोग से यूनानी अस्पतालों के लिए एनएबीएच प्रत्यायन मानकों के कार्यान्वयन पर 28-30 जुलाई 2021 के दौरान आभासी रूप से 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने स्वास्थ्य देखभाल वितरण में यूनानी चिकित्सा और अन्य आयुष चिकित्सा पद्धतियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में आयुष पद्धतियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं और अस्पतालों के मानकीकरण के महत्व और इस क्षेत्र में एनएबीएच की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि के.यू.चि.अ.प. के राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद को पहले ही एनएबीएच द्वारा मान्यता प्राप्त है और अन्य संस्थानों के

प्रत्यायन से संबंधित गतिविधियां चल रही हैं।

कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए एनएबीएच के मुख्य निष्पादन अधिकारी डॉ. अतुल मोहन कोचर ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य यूनानी अस्पतालों में ऐसे लोग तैयार करना है जो गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा मानकों को लागू करने, मान्यता प्राप्त करने और उसे बनाए रखने की दिशा में काम कर सकें।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से यूनानी चिकित्सकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का समन्वय डॉ. गज़ाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV, के.यू.चि.अ.प. और डॉ. वंदना सिरोहा, उप निदेशक, एनएबीएच ने किया।



पोषण माह के अवसर पर के.यू.चि.अ.प. में पौधारोपण, पौधावितरण और अन्य कार्यक्रम का आयोजन

प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने सितंबर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाने के लिए पौधारोपण अभियान के तहत के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय के परिसर में 08 सितंबर 2021 को अनार, जामुन, अमरूद, पपीता, आदि के पौष्टिक पौधे लगाए।



के.यू.चि.अ.प. के महानिदेशक प्रो. आसिम अली खान और अधिकारी राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर 08 सितंबर 2021 को के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय परिसर में पौधारोपण करते हुए।



डॉ. मोहम्मद इश्तियाक आलम, उपनिदेशक, के.यू.चि.अ.सं., पटना राष्ट्रीय पोषण माह के उपलक्ष्य में पौधा वितरण अभियान के अवसर पर बोलते हुए।

इस अवसर पर प्रो. खान ने पोषण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यूनानी चिकित्सा पद्धति व्यक्ति की पोषण संबंधी ज़रूरतों, स्वभाव, उम्र, मौसम आदि को ध्यान में रखते हुए संतुलित और पौष्टिक आहार लेने पर बहुत जोर देती है। उन्होंने कहा कि हमें सही प्रकार के भोजन की आदतों को सुनिश्चित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने पोषण संबंधी जागरूकता और महत्वपूर्ण पोषण व्यवहारों के सम्बंध में सभी हितधारकों के बीच संवेदनशीलता बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अधीनस्थ संस्थानों में भी पोषण माह मनाया गया और पौष्टिक पौधों का रोपण, वितरण और पौष्टिक आहार वितरण सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गए।

पोषण माह, राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत महिला और बाल विकास मंत्रालय और नीति आयोग की राष्ट्रव्यापी पहल के अनुरूप मनाया जाता है जिसका उद्देश्य प्रसवपूर्व देखभाल, इष्टतम स्तनपान, पूरक आहार और स्वच्छता के बारे में घर घर जानकारी पहुँचाना है। यह पहल प्रौद्योगिकी का लाभ उठा कर सभी प्रयासों में तालमेल बिठाने और पोषण जागरूकता को जन आंदोलन के स्तर तक ले जाने की कोशिश है।

आयुष मंत्री ने भारत में यूनानी चिकित्सा की स्थिति पर चर्चा की

श्री सर्बानंद सोनोवाल, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, आयुष मंत्रालय तथा पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने भारत में यूनानी चिकित्सा की स्थिति पर नई दिल्ली स्थित अपने कार्यालय में सितंबर 06, 2021 को विस्तृत चर्चा की।



माननीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल 06 सितंबर 2021 को वैद्य राजेश कोटेचा, श्री प्रमोद कुमार पाठक, प्रो. आसिम अली खान, डॉ. मुख्तार अहमद कासमी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भारत में यूनानी चिकित्सा की स्थिति पर चर्चा करते हुए।

इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और आयुष मंत्रालय के विशेष सचिव श्री प्रमोद कुमार पाठक उपस्थित रहे।

प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.) एवं सलाहकार यूनानी (अतिरिक्त प्रभार), आयुष मंत्रालय ने एक प्रस्तुति दी और यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में के.यू.चि.अ.प की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

एक घंटे की प्रस्तुति में प्रो. खान ने के.यू.चि.अ.प. की अनुसंधान गतिविधियों के बारे में बताया और भारत में यूनानी

चिकित्सा की शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान की सम्पूर्ण स्थिति पर प्रकाश डाला।

माननीय मंत्री जी ने यूनानी चिकित्सा सहित आयुष पद्धतियों को जमीनी स्तर पर प्रचारित करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया ताकि जन-जन तक इन प्रणालियों का अधिक से अधिक लाभ पहुँच सके।

डॉ. मुख्तार अहमद कासमी, संयुक्त सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और श्री के. सपरा, सहायक निदेशक (प्रशासन), के.यू.चि.अ.प. सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

पंजीकरण सं. 34691/80

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, की आधिकारिक त्रैमासिक पत्रिका है। यह हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में एक साथ प्रकाशित होती है। इसमें विशेषतः केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद से संबंधित समाचार होते हैं। यह ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए मुफ्त उपलब्ध है जो यूनानी चिकित्सा पद्धति के विकास में दिलचस्पी रखते हैं। सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर में प्रकाशित सामग्री को सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर के आभार के साथ, इस शर्त पर प्रकाशित किया जा सकता है कि वह प्रकाशन व्यापारिक उद्देश्यों से न किया जाये।

मुख्य संपादक

प्रो. आसिम अली खान

कार्यकारी संपादक

मोहम्मद नियाज़ अहमद

संपादकीय समिति

नाहीद परवीन

गज़ाला जावेद

जमाल अख्तर

शबनम सिद्दीकी

संपादकीय कार्यालय

केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद
61-65, इंस्टीट्यूशनल एरिया, समुख 'डी'
ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली-110 058

दूरभाष: +91-11-28521981, 28525982

फ़ैक्स: +91-11-28522965

ई-मेल: unanimedicine@gmail.com

rop.ccrum@gmail.com

वेबसाइट: <https://ccrum.res.in>

मुद्रण: रैकमो प्रैस प्रा. लि.

सी-59, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1

नई दिल्ली-110020



CCRUM newsletter

A Quarterly Bulletin of Central Council for Research in Unani Medicine

Volume 41 • Number 3

July–September 2021

Ayush Minister visits CCRUM, appreciates research work

Hon'ble Union Cabinet Minister, Ministry of Ayush and Ministry of Ports, Shipping and Waterways Shri Sarbananda Sonowal visited Central Council for Research in Unani Medicine and other research councils and the two national commissions situated in the Central Councils Combined Building Complex (CCCBC) at Janakpuri, New Delhi on September 18, 2021.

During his address on the occasion, Shri Sonowal said that Ayush Aahaar should be promoted throughout the country. This would

help saving the youth from the ills of junk food. He laid emphasis on the involvement of people at the grass root level. He also added that team spirit and hard work were needed to bring in effective change.

During the interaction, Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of Ayush stressed that competency building should be the priority of all councils and 'our research councils should develop such modalities that



Hon'ble Minister Shri Sarbananda Sonowal with Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Shri Pramod Kumar Pathak, Special Secretary and Shri D. Senthil Pandiyam, Joint Secretary, Ministry of Ayush and Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM during his visit to CCRUM headquarters on September 18, 2021.

various units attached with them get more freedom to innovate’.

Hon’ble Minister interacted

with Director General Prof. Asim Ali Khan and senior officers of the CCRUM about the research activities

and appreciated its functioning and research endeavours. He also appreciated the infrastructure of CCRUM’s institute in Srinagar that he visited a week ago. Further, he visited CCRUM library and was briefed about the large collection of about 200 manuscripts and as many as 17000 scientific documents. He was also informed about the scientific activities and publications of the CCRUM. Hon’ble Minister also showed keen interest in the research publications of the CCRUM. He also interacted with officers and scientists of all the offices in the premises of the CCCBC.



Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of Ayush briefing Hon’ble Minister Shri Sarbananda Sonowal about research publications of the CCRUM.

Shri Pramod Kumar Pathak, Special Secretary, Ministry of Ayush, Ms. Kavita Garg, Joint Secretary, Ministry of Ayush, Shri D. Senthil Pandiyan, Joint Secretary, Ministry of Ayush, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM, Dr. N. Srikanth, Director General, Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Dr. Anil Khurana, Director General, Central Council for Research in Homoeopathy and Chairperson, National Commission for Homoeopathy, Vaidya Jayant Deopujari, Chairman, National Commission for Indian System of Medicine, Dr. Raghvendra Rao, Director, Central Council for Research in Yoga and Naturopathy, and Dr. Manoj Nesari, Adviser (Ayurveda), Ministry of Ayush were present on the occasion.



Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM briefing Hon’ble Minister Shri Sarbananda Sonowal about the manuscripts of CCRUM library.



Unani prophylactic medicine distributed to mark Amrit Mahotsav

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of Ayush, Government of India distributed Unani prophylactic medicine 'Khamira Marwareed' and Unani based diet and lifestyle guidelines for promoting immunity during COVID-19 across the country as part of the campaign of the Ministry of Ayush to commemorate Azadi Ka Amrit Mahotsav.

The campaign was formally kick-started by Hon'ble Union Minister of Ayush and Ports, Shipping & Waterways Shri



Hon'ble Minister Dr. Munjpara Mahendrabhai Kalubhai and other dignitaries releasing 'Unani Medicine-based diet and lifestyle guidelines for promoting immunity during COVID-19 pandemic' during the launch of the campaign for distribution of Ayush prophylactic medicines and lifestyle guidelines to mark Amrit Mahotsav on September 2, 2021.



Prof. Mohammad Zahid Ashraf and Prof. Dr. Moshahid Alam Rizvi, Jamia Millia Islamia and Dr. Mohammad Fazil during the launch of Amrit Mahotsav campaign at the CCRUM's literary research institute in Jamia Millia Islamia, New Delhi.

Sarbananda Sonowal and Hon'ble Minister of State for Ayush and Woman and Child Development Dr. Munjpara Mahendrabhai at Ayush Auditorium, Janakpuri, New Delhi on September 02, 2021. Shri Pramod Kumar Pathak, Special Secretary, Ministry of Ayush and other senior officers from the ministry also graced the occasion.

To mark Azadi ka Amrit Mahotsav, the 75th year of Independence of India, the campaign targeted to distribute prophylactic Ayush medicines to 7.5 lakh people in the launch week viz. August 30 to September 5, 2021 and total 75 lakh people till August 15, 2022.

Starting from August 30, 2021, the CCRUM distributed Unani prophylactic medicines and Unani Medicine-based diet and lifestyle guidelines for COVID-19 to general public, especially elderly and COVID-19 frontline workers. The peripheral institutes of CCRUM held mega health camps, special health camps and conducted special OPD sessions for distribution of Khamira Marwareed and Unani guidelines & medicinal plants across the country.

The peripheral institutes of the CCRUM based in New Delhi, Aligarh, Lucknow, Prayagraj, Meerut, Bhopal, Burhanpur, Hyderabad, Patna, Mumbai, Chennai, Bhadrak, Kolkata, Srinagar, Kerala, Kurnool, Bengaluru and Silchar participated in this drive. These institutes

organized formal inauguration of this initiative at their respective campuses concurrent to the inauguration by Hon'ble Minister of State for Ayush at national level.

'Azadi Ka Amrit Mahotsav' is an initiative of the Government of India

to celebrate and commemorate 75 years of independence of progressive India and the glorious history of its people, culture and achievements. Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Modi inaugurated 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' by flagging

off 'Dandi March' from Sabarmati Ashram, Ahmedabad on March 12, 2021. The celebrations started 75 weeks before 75th anniversary of our independence and will end on August 15, 2022.



World Breastfeeding Week observed

The Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow organized a lecture to observe World Breastfeeding Week during August 1–7, 2021.



Dr. Arifa Khatoon, Research Officer (Unani), Central Research Institute of Unani Medicine, Lucknow delivering a lecture on breastfeeding to mark World Breastfeeding Week during August 1–7, 2021.

In her lecture, Dr. Arifa Khatoon, Research Officer (Unani), CRIUM, Lucknow laid emphasis on breastfeeding to infants and highlighted its importance and significance for the health of mother and child. She also made the audience aware of the possible consequences of adopting alternate mode of feeding. She informed that not being breastfed contributes significantly to malnutrition and death among children globally. She emphasized the need for raising health standards of women and ensuring their socio-economic development.



CCRUM organizes webinars on information technology

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of Ayush, Government of India organised four webinars on information technology during July 12–28, 2021.

Inaugurating the webinar series, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM said that information technology is instrumental to scientific research and this webinar series aims at training Unani researchers to

effectively use different IT tools for research and development purposes. He highlighted the importance of IT in combatting COVID-19 crisis. He said that when the government authorities across the world resorted to impose lockdown to contain the

spread of COVID-19 pandemic, IT came in to play a very crucial role to resume essential activities through different platforms.

During the webinar series, basic know-how of various IT-based communication platforms like Google Meet, MS Team, Cisco Webex and some essential software for research data collection and analysis were discussed and their live application was demonstrated. The webinar series was coordinated by IT Section as well as Statistics Section of the CCRUM.



Ayush Minister visits RRIUM, Srinagar, leads plantation drive

Shri Sarbananda Sonowal, Hon'ble Union Cabinet Minister, Ministry of Ayush and Ministry of Ports, Shipping and Waterways led a plantation drive in Srinagar to mark Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi's 1st birthday on September 17, 2021. Under this drive, a total of 71 saplings of medicinal plants were planted in the premises of the Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Srinagar - a regional institute of the Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of Ayush, Government of India located in the campus of the University of Kashmir, Srinagar.

Shri Pramod Kumar Pathak, Special Secretary, Ministry of Ayush, Government of India, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM, Dr. Mohan Singh, Director, Indian Systems of Medicine (Ayush), J&K, Dr. Abdul Kabir Dar, Director General, Stationery & Office

Supplies, J&K and Dr. Seema Akbar, Assistant Director, RRIUM, Srinagar were present on the occasion and participated in the plantation drive.

Speaking on the occasion, Hon'ble Minister applauded the role of Unani Medicine and other Indian systems of medicine in public healthcare delivery and said that the Government of India has accorded great importance to their multifaceted development. He further said that the CCRUM has made great progress in clinical research, drug standardization, survey and cultivation of medicinal plants and literary research in Unani Medicine.

He visited the different types of Unani treatment facilities available



Hon'ble Minister Shri Sarbananda Sonowal speaking on the occasion of his visit to RRIUM, Srinagar on September 17, 2021 while Shri Pramod Kumar Pathak, Special Secretary, Ministry of Ayush and Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM are on the dais.



Hon'ble Minister Shri Sarbananda Sonowal watering a plant during the plantation drive at RRIUM, Srinagar to mark Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi's birthday on September 17, 2021.

at the RRIUM and interacted with OPD and IPD patients to know about their health condition and get their feedback about the quality of health care provided to them. He also visited and appreciated testing and research labs as well as various research sections of the institute and stressed for their further strengthening.

Earlier in his welcome address, Prof. Asim Ali Khan expressed his gratitude to the Hon'ble Minister for visiting the institute and informed about the research projects being conducted at the institute. He said that the institute also provides various health care facilities such as OPD, IPD and medical investigation facilities.

World Hepatitis Day observed

The Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow observed World Hepatitis Day on July 28, 2021 to raise awareness of viral hepatitis, an inflammation of the liver that causes severe liver disease and hepatocellular cancer.



Dr. Ziaul Haq Siddiqui, Central Research Institute of Unani Medicine, Lucknow delivering a lecture to mark World Hepatitis Day on July 28, 2021.

On this occasion, Dr. Ziaul Haq Siddiqui, Research Officer (Unani) Scientist-IV, CRIUM, Lucknow delivered a lecture on the prevention and control of viral hepatitis through Unani medicines and vaccination. He informed that the World Health Organization has set 'Hepatitis can't wait' as the theme for World Hepatitis Day this year to convey the urgency of efforts needed to eliminate hepatitis as a public health threat. He said that with a person dying every 30 seconds from a hepatitis related illness – even in the current COVID-19 crisis – we can't wait to act on viral hepatitis.

Ayush Minister inaugurates BUMS at GUMC&H, J&K

Shri Sarbananda Sonowal, Hon'ble Union Cabinet Minister, Ministry of Ayush and Ministry of Ports, Shipping and Waterways inaugurated the first batch of Bachelor of Unani Medicine and Surgery (BUMS) course at Government Unani Medical College and Hospital (GUMC&H) at Nawab Bagh, Ganderbal in Jammu & Kashmir on September 17, 2021.

Hon'ble Lieutenant Governor of the UT of J&K Shri Manoj Sinha virtually graced the event of GUMC&H established with the financial assistance of Rs. 17.00 Crore from the Ministry of Ayush under its erstwhile Central Sector Scheme, Rs. 18.25 Crore from the UT Government and Rs. 38.82 lakhs under the National Ayush Mission for operationalization of the college.

During his inaugural address at the first government Unani institution in the Union Territory of J&K, Hon'ble Minister said that the Ayush Ministry is determined to provide basic healthcare services to the people of UT especially through Unani Medicine which is very popular in the region. Terming the inauguration of BUMS course as a historic moment, he said that the

institution will go a long way to promote the indigenous systems of medicine in the UT of J&K. He further said that it is always refreshing to be present in Kashmir – the paradise on the earth. This master piece of earth's creation and the repository of ancient cultural heritage of India have nurtured Unani Medicine, one of our Ayush systems of medicine, for centuries. He said that it has been playing a vital role in the present day health care delivery system. He further said that the significant features of Unani Medicine are accessibility, affordability and holistic approach towards healthy living.

On this occasion, Prof. Asim Ali Khan, Director General, Central Council for Research in Unani Medicine and Adviser (Unani), Ministry of Ayush said that Unani Medicine is a comprehensive medical system, which meticulously deals with the various states of health and disease. It provides promotive, preventive, curative and rehabilitative healthcare. He further said that the CCRUM has a vision to strive for excellence and global leadership in the field of Unani Medicine by comprehensive research for quality assured and cost effective products to prevent, manage and cure diseases.

Later, Hon'ble Minister took round of OPD, operation theatre, various labs and all blocks of the academic building of the college



Hon'ble Minister Shri Sarbananda Sonowal inaugurating BUMS course at GUMC&H, Ganderbal, Jammu & Kashmir on September 17, 2021.



with intake capacity of 60 BUMS students and a 60-bedded hospital. He also kick started a plantation drive by planting a medicinal sapling in the premises of the college.

Shri Pramod Kumar Pathak, Special Secretary, Ministry of Ayush, Government of India, Dr. Mohan Singh, Director, Indian Systems of Medicine (Ayush), J&K and Dr. Seema Akbar, Assistant Director, Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar were present on the occasion.

On 16th September and early 17th September, Hon'ble Minister was in Baramulla district for a public

outreach programme. He interacted with Deputy Commissioner, Baramulla about the challenges and opportunities in the district. He inspected the exhibition of Ayush and inaugurated the seminar on Ayush interventions with a special focus on Ayush Health & Wellness Centres for the development of modern Kashmir at Dak Bungalow, Baramulla. Speaking on this occasion, he assured that district Baramulla will be provided every possible assistance and manpower for vibrant integrated Ayush system of medicine.

Hon'ble Minister also

inaugurated a cricket tournament at Showkat Ali Stadium, Khawaja Bagh, Baramulla and interacted with the teams. During his address on this occasion, he appreciated the youth for organizing the tournaments to defeat the menace of drugs and antisocial activities.

Hon'ble Minister also had an interactive session with the Presidents of District Development Council, Block Development Council and Municipal Corporation at Dak Bungalow, Baramulla and took account of issues faced by them and their demands.



CCRUM organizes 3-day programme on implementation of NABH accreditation

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of Ayush, Government of India in collaboration with the National Accreditation Board for Hospitals and Health Care Providers (NABH) organised a 3-day training programme on implementation of NABH accreditation standards for Unani hospitals during July 28–30, 2021 in virtual mode.

Inaugurating the training programme, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM highlighted the importance of Unani Medicine and other Ayush systems in the health care delivery. He said that Ayush systems play a very important role in providing

health care to the society. He also highlighted the importance of standardization of health care services and hospitals and role of the NABH in this area. He informed that CCRUM's National Research Institute of Unani Medicine for Skin Disorders (NRIUMSD), Hyderabad

has already been accredited by the NABH and other institutes are going to be accredited in due course.

Speaking about the background of the programme, Dr. Atul Mohan Kocchar, CEO, NABH said that the aim of the programme is to develop internal counsellors within Unani hospitals for helping them to work towards the implementation of quality and patient safety standards, achieving accreditation and maintaining the same.

The 3-day training programme was attended by Unani professionals from different parts of the country. Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV, CCRUM and Dr. Vandana Siroha, Deputy Director, NABH coordinated the training programme.



CCRUM observes Poshan Maah, plants and distributes nutritional saplings

Prof. Asim Ali Khan, Director General, Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of Ayush, Government of India planted nutritional plant saplings of pomegranate (*Anar*), java plum (*Jamun*), guava (*Amrood*), papaya (*Papita*), etc. in the premises of the CCRUM headquarters under plantation drive to mark the month of September as Rashtriya Poshan Maah on September 08, 2021.



Director General Prof. Asim Ali Khan and officers of CCRUM planting nutritional plant saplings in the premises of CCRUM headquarters to mark Rashtriya Poshan Maah on September 08, 2021.



Dr. Md. Ishtiyaque Alam, Deputy Director, RRIUM, Patna speaking on the occasion of nutritional plant distribution drive to commemorate Rashtriya Poshan Maah.

On this occasion, Prof. Khan highlighted the importance of nutrition. He said that Unani Medicine lays great emphasis on taking balanced and nutritious diet considering an individual's nutritional need, temperament, age, season, etc. He asserted that we need to ensure and encourage the right kind of food habits. He highlighted the need to increase nutritional awareness and responsiveness among all stakeholders about vital nutrition behaviors.

The CCRUM institutes also observed Poshan Maah and distributed nutritional saplings, nutritional medicines and food supplements besides various other initiatives.

Poshan Maah is celebrated with the nation-wide initiative of the Ministry of Women and Child Development and NITI Aayog under Rashtriya Poshan Abhiyan (National Nutrition Mission) which aims to provide information regarding antenatal care, optimal breast feeding, complementary feeding, growth monitoring, hygiene and sanitation to every house hold.

Ayush Minister discusses state of Unani Medicine in India

Shri Sarbananda Sonowal, Hon'ble Union Cabinet Minister, Ministry of Ayush and Ministry of Ports, Shipping and Waterways had a detailed discussion on the state of Unani Medicine in India in his office in New Delhi on September 06, 2021.



Hon'ble Minister Shri Sarbananda Sonowal discussing the state of Unani Medicine in India with Vaidya Rajesh Kotecha, Shri Pramod Kumar Pathak, Prof. Asim Ali Khan, Dr. Mukhtar Ahmad Qasmi and other senior officials on September 06, 2021.

Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of Ayush and Shri Pramod Kumar Pathak, Special Secretary, Ministry of Ayush were present during the discussion.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) highlighted the achievements of the CCRUM in the area of research and development in Unani Medicine. In an hour-long presentation, Prof. Khan underscored the research activities going on at the CCRUM and briefed about the overall state of education,

training and research in Unani Medicine in India.

Hon'ble Minister was very encouraging and motivating to propagate Ayush systems including Unani Medicine at the grass root level so as to reap maximum benefits of these systems.

Dr. Mukhtar Ahmad Qasmi, Joint Adviser (Unani), Ministry of Ayush, Government of India and Shri K. K. Sapra, Assistant Director (Admn.), CCRUM along with senior officers were also present in the meeting.

Registration No. 34691/80

About CCRUM Newsletter

The CCRUM Newsletter is a quarterly official bulletin of the Central Council for Research in Unani Medicine – an autonomous organization of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India. It is published bilingually in Hindi and English and contains news chiefly about the works and activities of the CCRUM. It is free of charge to individuals as well as to organizations interested in the development of Unani Medicine. Material published in the bulletin may be reproduced provided credit is given to the CCRUM Newsletter and such reproduction is not used for commercial purposes.

Editor-in-Chief
Asim Ali Khan

Executive Editor
Mohammad Niyaz Ahmad

Editorial Board
Naheed Parveen
Ghazala Javed
Jamal Akhtar
Shabnam Siddiqui

Editorial Office
CENTRAL COUNCIL FOR
RESEARCH IN UNANI MEDICINE
61-65, Institutional Area,
Janakpuri, New Delhi - 110 058

Telephone : +91-11-28521981, 28525982
Fax : +91-11-28522965
E-mail: unanimedicine@gmail.com
rop.ccrum@gmail.com
Website: <https://ccrum.res.in>

Printed at: Rakmo Press Pvt. Ltd., C-59, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi - 110020

